महत्वपूर्ण / शीर्ष प्राथमिकता

संख्या– 642 / नौ–7–21–27(ज0) / 2014 टी0सी0

प्रेषक

डा0 रजनीश दुबे,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में

1. समस्त मण्डलायुक्त, उ0प्र0।
2. समस्त जिलाधिकारी, उ0प्र0।
3. निदेशक, स्थानीय निकाय, उ0प्र0, लखनऊ।
4. समस्त नगर आयुक्त, नगर निगम, उ0प्र0।
5. समस्त अधिशासी अधिकारी / प्रभारी अधिकारी, नगर पालिका परिषद / नगर पंचायत उ0प्र0।

नगर विकास अनुभाग–7 **लखनऊ दिनांक 17 जून, 2021**

विषयः माह जुलाई, 2021 में प्रस्तावित विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान तथा संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण एवं कार्यवाही हेतु विभिन्न विभागों के कार्य एवं दायित्व के निर्धारण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन के स्तर से निर्गत चिकित्सा अनुभाग–5 के पत्र संख्या–1226 / पॉच–5–2021 दिनांक 14.06.2021 (छायाप्रति मय संलग्नक) का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करे, जिसके द्वारा अवगत कराया गया है कि संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण तथा इनका त्वरित एवं सही उपचार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से है। विगत तीन वर्षो की भांति वर्ष 2021 में भी संचारी रोगों की रोकथाम हेतु प्रभावी उपाय अपनाते हुए व्यापक अभियान चलाया जाना है। इस क्रम में **वर्ष 2021 में संचारी रोग नियंत्रण अभियान (01 जुलाई, 2021 से 31 जुलाई, 2021) एवं दस्तक अभियान (12 जुलाई, 2021 से 25 जुलाई, 2021 तक) का द्वितीय चरण प्रदेश के समस्त 75 जनपदों में चलाते हुए वर्ष 2020 में संचालित की गयी सभी गतिविधियॉ पुनः विस्तृत कार्ययोजना बनाकर संचालित की जाऍगी।** संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के द्वितीय चरण के सम्बन्ध में शासनादेश दिनांक 14.06.2021 द्वारा विस्तृत दिशा– निर्देश निर्गत किये गये है।

2. उपर्युक्त शासनादेश दिनांक 14.06.2021 द्वारा प्रश्नगत अभियान हेतु **स्थानीय निकायों पर संवेदीकरण बैठक समस्त नगर निगम हेतु दिनांक 22.06.2021, दिन मंगलवार, समस्त नगर पालिका हेतु दिनांक 23.06.2021 दिन बुधवार, एवं समस्त नगर पंचायत हेतु दिनांक 24.06.2021 दिन बृहस्पतिवार** निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त नगर विकास विभाग से सम्बन्धित निम्नलिखित बिन्दुओं के सम्बन्ध में विशेष रूप से आवश्यक कार्यवाही किये जाने की अपेक्षा की गयी हैः–

1. नगरीय निकायों के चुने हुये जनप्रतिनिधियों का संचारी रोगों की रोकथाम तथा साफ सफाई के सम्बन्ध में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से संवेदीकरण।

BL-go

2. नगरीय क्षेत्र में मोहल्ला निगरानी समितियों के माध्यम से कोविड तथा संचारी रोगों के विषय में निरंतर जागरूकता बनाये रखना तथा कोविड रोग के लक्षणयुक्त व्यक्तियों को मेडिसिन उपलब्ध कराने में सहयोग करना।
3. नगरीय क्षेत्रों में वातावरणीय तथा व्यक्तिगत स्वच्छता के उपायों, खुले में शौच न करने, शुद्ध पेयजल के प्रयोग तथा मच्छरों की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान संचालित करना।
4. खुली नालियों को ढकने की व्यवस्था, नालियों/कचरों की सफाई करवाना, स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित करते हुये फॉगिंग, लार्वीसाइडल स्प्रे तथा साफ–सफाई गतिविधियों की समेकित कार्ययोजना बनाना।
5. शहरी क्षेत्रों में फॉगिंग करवाना।
6. मच्छरजनक स्थतियां पैदा करने वाले व्यक्तियों/संस्थानों के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही विषयक उपविधि लागू करना।
7. उथले हैण्डपम्पों का प्रयोग रोकने के लिये उन्हें लाल रंग से चिन्हित किया जाना।
8. हैण्डपम्पों के पाइप को चारों ओर से कंकरीट से बन्द करना।
9. हैण्डपम्पों के पास अपशिष्ट जल के निकलने हेतु सोक–पिट का निर्माण।
10. शुद्ध पेयजल की गुणवत्ता के अनुश्रवण के लिये बैक्टीरियोलॉजिकल/वायरोलॉजिकल जॉच।
11. आबादी में मिनी पब्लिक वाटर सप्लाई (एम0पी0डब्ल्यू0एस0), टैंक टाईप स्टैन्ड पोस्ट (टी0टी0एस0पी0) की मानको के अनुसार स्थापना एवं अनुरक्षण।
12. जल भराव तथा वनस्पतियों की वृद्धि को रोकने के लिये सड़कों तथा पेवमेन्ट का निर्माण करना।
13. सड़कों के किनारे उगी वनस्पतियो को नियमित रूप से हटाया जाना।
14. शहरी क्षेत्रों एवं शहरी मलिन बस्तियों के संवेदनशील आबादी समूहों में अपनी गतिविधियों को केन्द्रित करना।
15. संवेदनशील क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर खुले में शौच से मुक्त (ODF) करना।
16. संवेदनशील क्षेत्रों तथा शहरी मलिन बस्तियों में विभागीय गतिविधियों की प्रगति आख्या भौतिक प्रगति के अभिलेखीकरण के साथ तैयार करना।
17. नगरीय क्षेत्रों में ए0ई0एस0/जे0ई0 एवं अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु लोगों के मध्य प्रचार–प्रसार करना।

3. इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया उपर्युक्त शासनादेश दिनांक 14.06.2021 में दिये गये निर्देशों तथा उक्त अपेक्षा के क्रम में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

नगरीय निकायों के अधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में अभियान के दौरान किये गये कार्यो के संबंध में संकलित रिपोर्ट प्रतिदिन निदेशक, स्थानीय निकाय निदेशालय,

उ0प्र0 को उपलब्ध करायेंगे। निदेशक, स्थानीय निकाय निदेशालय, उ0प्र0 द्वारा साप्ताहिक एवं अभियान समाप्ति पर उक्त रिपोर्ट को संकलित कर संचारी रोग इकाई, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (ई–मेल आई0डी0–idspup@gmail.com) एवं शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

संलग्नक–यथोक्त।

भवदीय,

(डा0 रजनीश दुबे)
अपर मुख्य सचिव।

संख्या एवं दिनांक–तदैव।

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. निदेशक, संक्रामक रोग, उ0प्र0, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।
2. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0।
3. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0।
4. समस्त संबंधित, मण्डलीय, अपर निदेशक,चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0
5. समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी, उ0प्र0।
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(डा0 इन्द्रमणि त्रिपाठी)
विशेष सचिव।

BL-go

उत्तर प्रदेश शासन

नगर विकास अनुभाग–7

संख्या–642(1)/ नौ–7–2021–27(ज) / 2014टी0सी0

लखनऊ : दिनांक 17 जून, 2021

कार्यालय–ज्ञाप

माह जुलाई, 2021 में प्रस्तावित विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान तथा संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण एवं कार्यवाही हेतु विभिन्न विभागों के कार्य एवं दायित्व का निर्धारण किये जाने विषयक मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन के स्तर से निर्गत चिकित्सा अनुभाग–5, उ0प्र0 शासन के पत्र संख्या–1226 / पांच–5–2021 दिनांक 14.06.2021 के परिप्रेक्ष्य में नगर विकास विभाग द्वारा उक्त अभियान के विषयगत माइक्रोप्लानिंग की पूर्णता, समयबद्धता तथा माइक्रोप्लान्स के अनुसार नगरीय निकायों में सम्पादित की जा रही गतिविधियों का अनुश्रवण करने एवं उक्त अभियान से संबंधित सभी बैठकों में प्रतिभाग करने हेतु राज्य स्तर पर निदेशक, स्थानीय निकाय निदेशालय, उ0प्र0 सेक्टर–7, गोमती नगर विस्तार, लखनऊ को एतद्द्वारा नोडिल अधिकारी नामित किया जाता है।

निदेशक, स्थानीय निकाय निदेशालय, उ0प्र0 सेक्टर–7, गोमती नगर विस्तार, लखनऊ का कार्यालय कक्ष द्वितीय तल पर स्थित है। निदेशक, स्थानीय निकाय से दूरभाष संख्या–0522–2838110, ई–मेल आई.डी. diruplb2020@nic.in पर विषयगत सूचना के सम्बन्ध में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है।

(डा0 रजनीश दुबे)
अपर मुख्य सचिव।

संख्या एवं दिनांक–तदैव।

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. प्रमुख सचिव, चिकित्सा अनुभाग–5, उ0प्र0 शासन को उनके पत्र संख्या–1226 / पांच–5–2021 दिनांक 14.06.2021 के सन्दर्भ में।
2. श्रीमती शकुन्तला गौतम, निदेशक, स्थानीय निकाय निदेशालय, उ0प्र0 सेक्टर–7, गोमती नगर विस्तार, लखनऊ।
3. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0।
4. निदेशक, संक्रामक रोग, उ0प्र0 स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।
5. समस्त नगर आयुक्तगतण, नगर निगम, उ0प्र0।
6. समस्त अधिशासी अधिकारीगण, नगर पालिका परिषद / नगर पंचायत, उ0प्र0।
7. नगर विकास अनुभाग–8, उ0प्र0 शासन।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(कल्याण बनर्जी)
उप सचिव।

BL-uo letter

संख्याः–1226 / पांच–5–2021

प्रेषक,

राजेन्द्र कुमार तिवारी,
मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1– अपर मुख्य सचिव / प्रमुख सचिव / सचिव, उ0प्र0 शासन,
नगर विकास / पंचायतीराज / बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग / ग्राम्य विकास / चिकित्सा शिक्षा / कृषि विभाग / सिंचाई विभाग / बेसिक शिक्षा विभाग / पशुपालन विभाग / माध्यमिक शिक्षा विभाग / दिव्यांग कल्याण / सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग / वाणिज्यकर एवं मनोरंजन विभाग / नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग।

2– समस्त मण्डलायुक्त, उत्तर प्रदेश।

3– समस्त जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश।

चिकित्सा अनुभाग –5 लखनऊ, दिनांक 14 जून, 2021

विषयः–माह जुलाई, 2021 में प्रस्तावित विषेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान तथा संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण एवं कार्यवाही हेतु विभिन्न विभागों के कार्य एवं दायित्व का निर्धारण।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण तथा इनका त्वरित एवं सही उपचार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से है। वर्ष 2020 में माह मार्च, जुलाई एवं अक्टूबर में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियानों का आयोजन सभी जनपदों में हो चुका है। माह जुलाई एवं अक्टूबर, 2020 तथा मार्च, 2021 में सम्पन्न दस्तक अभियान में संचारी रोगों के साथ ही कोविड–19 महामारी से बचाव तथा इस रोग के लक्षणों के विषय में जानकारी भी फ्रंटलाइन वर्कर्स द्वारा घर–घर पहुंचाई गई थी।

2– विगत तीन वर्षों की भाँति वर्ष 2021 में भी संचारी रोगों की रोकथाम हेतु प्रभावी उपाय अपनाते हुए व्यापक अभियान चलाया जाना है। इस क्रम में वर्ष 2021 में संचारी रोग नियंत्रण अभियान (01 जुलाई, 2021 से 31 जुलाई, 2021) एवं दस्तक अभियान (12 जुलाई, 2021 से 25 जुलाई, 2021 तक) का द्वितीय चरण प्रदेश के समस्त 75 जनपदों में चलाते हुए वर्ष 2020 में संचालित की गयी सभी गतिविधियाँ पुनः विस्तृत कार्ययोजना बनाकर संचालित की जाएँगी।

माह मार्च, 2021 के अभियान की भांति माह जुलाई, 2021 में संचालित किये जाने वाले दस्तक अभियान में आशा एवं आंगनवाडी कार्यकर्ती प्रत्येक मकान पर क्षयरोग के संभावित रोगियों के विषय में भी जानकारी प्राप्त करेंगी तथा क्षय रोग के लक्षणों वाले किसी व्यक्ति की सूचना प्राप्त होने पर उस व्यक्ति का नाम पता एवं मोबाइल नंबर सहित संपूर्ण विवरण एक लाइन लिस्टिंग फॉर्मेट में अंकित कर क्षेत्रीय ए0एन0एम0 के माध्यम से ब्लॉक मुख्यालय पर उपलब्ध कराएंगी।

फ्रंटलाइन वर्कर्स (आशा एवं आंगनवाडी कार्यकर्त्री) निम्नलिखित सूचियां अपनी रिपोर्ट के साथ प्रतिदिन कार्य की समाप्ति पर क्षेत्रीय ए0एन0एम0 के माध्यम से ब्लॉक मुख्यालय पर निर्धारित प्रपत्र में (प्रति संलग्न) उपलब्ध कराएंगे –

1. बुखार के रोगियों की सूची
2. आई0एल0आई0 (इन्फ्लुएंजा लाइक इलनेस) रोगियों की सूची
3. क्षय रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची
4. कुपोषित बच्चों की सूची

अभियान हेतु बनायी जाने वाली कार्य योजना में प्रत्येक गतिविधि हेतु निर्धारित लक्ष्यों का उल्लेख आवश्यक रूप से किया जाए तथा माह की समाप्ति के उपरान्त राज्य मुख्यालय को प्रेषित रिपोर्ट्स में सभी उपलब्धियाँ निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष प्रदर्शित की जाएँ। साफ–सफाई, कचरा निस्तारण, जल भराव रोकने तथा शुद्ध पेयजल उपलब्धता पर विशेष जोर देते हुए सभी विभाग व्यवहार परिवर्तन तथा प्रचार–प्रसार की भी व्यापक योजना बनाएं जिससे जन–सामान्य तक सभी जानकारियों की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

प्रत्येक विभाग के राज्य मुख्यालय द्वारा माइक्रोप्लानिंग की पूर्णता, समयबद्धता तथा माइक्रोप्लान्स के अनुसार जनपदों में सम्पादित की जा रही गतिविधियों का अनुश्रवण भी सुनिश्चित किया जाए तथा समस्त जनपदों से साप्ताहिक एवं अभियान समाप्ति पर अंतिम रिपोर्ट प्राप्त कर अन्तर्विभागीय रिपोर्ट के संकलन हेतु संचारी रोग इकाई, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय को मेल आई डी–**idspup@gmail.com** पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। **प्रत्येक विभाग द्वारा राज्य स्तर पर एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए जो अभियान से सम्बन्धित सभी बैठकों में प्रतिभाग करें।**

विभिन्न रोगों की रोकथाम हेतु विभागों के बीच आपसी समन्वय स्थापित करते हुए एक साथ कार्यवाही करना आवश्यक है जिसके लिए पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुसार जनपद तथा ब्लाक स्तर पर समन्वय समितियों का गठन कर नियमित अंतराल पर विभिन्न विभागों द्वारा किए गए कार्य निष्पादन तथा जनपद में विभिन्न रोगों की स्थिति की समीक्षा हेतु इन समितियों की बैठक आयोजित की जानी है। जनपद तथा ब्लाक स्तर पर इन समितियों का स्वरूप, कार्ययोजना तथा बैठकों की आवर्तिता हेतु निर्देश आपको पूर्व में प्रेषित किये जा चुके हैं।

माह जुलाई, 2021 के संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान हेतु पूरे प्रदेश में दिनांक 18 जून, 2021 को ब्लॉक स्तर पर संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान हेतु ब्लॉक टास्कफोर्स की बैठक की जाए जिसमें खंड विकास अधिकारी तथा ब्लॉक के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य सभी विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ प्रतिभाग करेंगे। इस बैठक में सभी विभागों के माइक्रोप्लानिंग फॉर्मेट्स तथा प्रत्येक विभाग द्वारा अपेक्षित गतिविधियों के विषय में विस्तार से चर्चा की जाए। माइक्रो प्लानिंग फॉर्मेट ब्लॉक स्तर से तैयार कर प्रत्येक विभाग द्वारा जनपद स्तर पर प्रेषित किए जाने हैं जहां विभाग के जनपदीय मुख्यालय पर इनका संकलन कर यह माइक्रोप्लानिंग प्रपत्र प्रत्येक विभाग द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध कराए जाएंगे।

समस्त जनपदों में जनपदीय टास्कफोर्स की बैठक का आयोजन दिनांक 21 जून, 2021 को किया जाएगा जिसमें ब्लाक टास्क फोर्स की बैठक के आयोजन, ब्लाक स्तरीय माइक्रो प्लानिंग फॉर्मेट्स की उपलब्धता एवं पूर्णता, ब्लाक स्तरीय अधिकारियों की अभियान से सम्बंधित गतिविधियों के विषय में जानकारी तथा अभियान की मॉनिटरिंग की रूपरेखा का आंकलन करते हुए अभियान पर विस्तृत चर्चा की जाए जिससे अभियान के अपेक्षित लक्ष्यों को पूर्ण रूप से प्राप्त किया जा सके।

अभियान के प्रारम्भ होने के उपरान्त इस बात का ध्यान रखा जाए कि माइक्रो प्लानिंग फॉर्मेट में तिथिवार एवं क्षेत्रवार जिस प्रकार गतिविधियां अंकित की गई हैं वह उसी प्रकार तिथिवार एवं क्षेत्रवार संपादित की जाए जिससे सभी गतिविधियों की सुचारू रूप से मॉनिटरिंग सम्भव हो सके।

समस्त जनपदों हेतु गतिविधियों की समय सारिणी

बैठक/प्रशिक्षण समय सारिणी

बैठक/ प्रशिक्षण का नाम	दिवस/ तिथि	उत्तरदायित्व
राज्य स्तरीय पार्टनर्स बैठक	दिनांक 10 जून, 2021 (बैठक हो चुकी है)	महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0।
राज्य स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठक	दिनांक 15 जून, 2021	निदेशक, संक्रामक रोग, उ0प्र0।

राज्य / जनपद / ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	दिनॉंक 16 से 19 जून 2021	यूनीसेफ / पाथ / डब्लू0एच0ओ0 / राज्य मुख्यालय
ब्लॉक स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठकें	दिनॉंक 18 जून, 2021	उप–जिलाधिकारी/ ब्लॉक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी/खंड विकास अधिकारी
प्रथम जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठक	दिनॉंक 21 जून, 2021	जिलाधिकारी/मुख्य चिकित्सा अधिकारी
ब्लाक स्तर पर नोडल अध्यापकों का संवेदीकरण	ब्लाकवार योजना बनाते हुए दिनॉंक 22–24 जून, 2021 के मध्य पूर्ण करा लिया जाए।	शिक्षा विभाग के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी
स्थानीय निकायों पर संवेदीकरण बैठकें	समस्त नगर निगम–मंगलवार, 22 जून, 2021	स्थानीय निकायों के कार्यकारी अधिकारी
	समस्त नगर पालिका–बुद्धवार, 23 जून, 2021	
	समस्त नगर पंचायत –बृहस्पतिवार, 24 जून, 2021	
ब्लाक स्तरीय ग्राम विकास अधिकारी संवेदीकरण बैठक	ब्लॉकवार योजना बनाते हुए दिनॉंक 25–26 जून, 2021 के मध्य पूर्ण करा लिया जाए।	खंड विकास अधिकारी
विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु ब्लॉक एवं जनपद स्तरीय माइक्रोप्लान की उपलब्धता	दिनांक 28.06.2021	समस्त विभाग
द्वितीय जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठक	दिनॉंक 29 जून, 2021	जिलाधिकारी/मुख्य चिकित्सा अधिकारी
दस्तक अभियान हेतु ब्लॉक स्तरीय माइक्रोप्लान की उपलब्धता(माह मार्च के माइक्रोप्लान पर आधारित)	दिनांक 30.06.2021	ब्लॉक प्रभारी चिकित्साधिकारी
दस्तक अभियान के संचालन हेतु ब्लॉक चिकित्सालय पर आशा, ए. एन.एम. तथा आँगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों का संवेदीकरण	ब्लॉक वार योजना बनाते हुए दिनॉंक 01 जुलाई, 2021 से 08 जुलाई, 2021 के मध्य पूर्ण करा लिया जाए।	ब्लॉक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी

अन्य महत्वपूर्ण तिथियाँ

1. सभी विभागों द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर कार्ययोजना जमा कराना : सोमवार, 28.06.2021
2. स्वास्थ्य विभाग द्वारा संकलित अन्तर्विभागीय कार्ययोजना यूनिसेफ तथा डब्लू0एच0ओ0–एन.पी.एस.पी को उपलब्ध कराना–बुधवार, 30.06.2021
3. संचारी रोग नियंत्रण अभियान का प्रारंभ : बृहस्पतिवार , 01.07.2021
4. दस्तक अभियान का प्रारंभ : सोमवार, 12.07.2021
5. शनिवार तक की गतिविधियों की साप्ताहिक रिपोर्ट का राज्य मुख्यालय प्रेषण : प्रत्येक सोमवार (समीक्षा बैठक में पाई गयी कमियों पर एक्शन टेकेन रिपोर्ट के साथ)
6. अभियान की सम्पूर्ण माह की रिपोर्ट का राज्य मुख्यालय प्रेषण: 05 अगस्त, 2021

संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार पर सफलतापूर्वक नियंत्रण पाने के लिए इस विषय पर एक सम्पूर्ण सोच के साथ सम्बन्धित विभागों के मध्य उचित समन्वय का होना आवश्यक है। इसमें मुख्य विभाग एवं उनका योगदान निम्नवत् हैं:

(1) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार से सम्बन्धित रोकथाम एवं नियंत्रण गतिविधियों हेतु राज्य, जनपद, ब्लाक तथा पंचायत/ग्राम स्तरों पर विभिन्न विभागों के बीच समन्वय हेतु नोडल विभाग का कार्य करेगा।
- संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार केसेज की निगरानी (सर्विलेंस)।
- फ्रंट लाइन वर्कर्स द्वारा उपलब्ध कराई गयी लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची में उल्लिखित रोगियों की लक्षण के अनुसार संचारी रोगों अथवा कोविड रोग हेतु जाँच की व्यवस्था।
- फ्रंट लाइन वर्कर्स द्वारा उपलब्ध कराई गयी क्षय रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची में उल्लिखित रोगियों की लक्षण के अनुसार क्षय रोग हेतु जाँच व रोगियों के उपचार की व्यवस्था।
- रोगियों के निःशुल्क परिवहन हेतु रोगी वाहन की व्यवस्था।
- वाहक नियंत्रण गतिविधियॉ-ग्रामीण क्षेत्रों में वाहक के घनत्व का आकलन, स्रोतों में कमी, लार्वारोधी गतिविधियॉ तथा आवश्कतानुसार फॉगिंग।
- प्रचार-प्रसार एवं व्यवहार परिवर्तन गतिविधियाँ।
- मॉनिटरिंग, पर्यवेक्षण, रिपोर्टिंग, अभिलेखीकरण तथा विश्लेषण।
- न्यूरो-रिहैबिलिटेशन।

(2) **<u>नगर विकास विभागः-</u>**

- नगरीय निकायों के चुने हुए जनप्रतिनिधियों का संचारी रोगों की रोकथाम तथा साफ़ सफाई के सम्बन्ध में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से संवेदीकरण।
- नगरीय क्षेत्र में मोहल्ला निगरानी समितियों के माध्यम से कोविड तथा संचारी रोगों के विषय में निरंतर जागरूकता बनाये रखना तथा कोविड रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों को मेडिसिन उपलब्ध कराने में सहयोग करना।
- नगरीय क्षेत्रों में वातावरणीय तथा व्यक्तिगत स्वच्छता के उपायों, खुले में शौच न करने, शुद्ध पेयजल के प्रयोग तथा मच्छरों की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान संचालित करना।
- खुली नालियों को ढकने की व्यवस्था, नालियों/कचरों की सफाई करवाना।
- शहरी क्षेत्रों में फॉगिंग करवाना।
- उथले हैण्डपम्पों का प्रयोग रोकने के लिए उन्हें लाल रंग से चिन्हित किया जाना।
- हैण्डपम्पों के पाइप को चारों ओर से कंकरीट से बन्द करना।
- हैण्डपम्पों के पास अपशिष्ट जल के निकलने हेतु सोक-पिट का निर्माण।
- शुद्ध पेयजल की गुणवत्ता के अनुश्रवण के लिये बैक्टीरियोलॉजिकल/ वायरोलॉजिकल जाँच।
- आबादी में मिनी पब्लिक वाटर सप्लाई (एम0पी0डब्ल्यू0एस0), टैंक टाईप स्टैन्ड पोस्ट (टी0टी0एस0पी0) की मानकों के अनुसार स्थापना एवं अनुरक्षण।
- जल भराव तथा वनस्पतियों की वृद्धि को रोकने के लिए सड़कों तथा पेवमेन्ट का निर्माण करना।
- सड़कों के किनारे उगी वनस्पतियॉ को नियमित रूप से हटाया जाना।
- शहरी क्षेत्रों एवं शहरी मलिन बस्तियों के संवेदनशील आबादी समूहों में अपनी गतिविधियों को केन्द्रित करना।
- संवेदनशील क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर खुले में शौच से मुक्त (ODF) करना।

- संवेदनशील क्षेत्रों तथा शहरी मलिन बस्तियों में विभागीय गतिविधियों की प्रगति आख्या भौतिक प्रगति के अभिलेखीकरण के साथ तैयार करना।

(3) **पंचायती राज विभाग/ग्राम्य विकास विभागः**

- **जनसंपर्क तथा जनजागरण :**
  - ➢ ग्राम प्रधान अपने ग्राम में अभियान के नोडल होंगे। ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम निगरानी समितियों के माध्यम से कोविड तथा संचारी रोगों के विषय में निरंतर जागरूकता स्थापित रखना तथा कोविड रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों को मेडिसिन उपलब्ध कराने में सहयोग करना।
  - ➢ ग्राम स्तर पर साफ–सफाई, हाथ धोना, शौचालय की सफाई तथा घर से जल निकासी हेतु जन–जागरण के लिये प्रचार–प्रसार।
  - ➢ वी0एच0एस0एन0सी0 के माध्यम से संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार के रोकथाम हेतु "क्या करें क्या न करें" का सघन प्रचार–प्रसार किया जाए।
- **शुद्ध पेयजल की व्यवस्था**
  - ➢ उथले हैण्ड पम्पस को लाल रंग से चिन्हित कर जनता को उनका प्रयोग न करने के लिए जागरूक करना।
  - ➢ खराब इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्पों की मरम्मत एवं निरन्तर क्रियाशील रखना एवं उसके चारों ओर पक्का चबूतरा बनवाना।
  - ➢ सामुदायिक वाटर फिल्टर्स, व्यक्तिगत वाटर फिल्टर्स तथा वाटर पम्पयुक्त टैंक टाइप स्टेण्ड पोस्ट की स्थापना (माइक्रोफाइनेन्स योजनाओं के द्वारा)।
  - ➢ पेयजल स्रोतों/संसाधनों से शौचालयों की दूरी के उपाय, शौचालयों/सीवर से पेयजल प्रदूषित न होने देने के लिए आवश्यक उपाय।
- **वेक्टर कंट्रोल**
  - ➢ जलाशयों एवं नालियों की नियमित सफाई ।
  - ➢ ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा फण्ड से एण्टीलार्वल छिड़काव की व्यवस्था ।
  - ➢ अपशिष्ट/रूके हुए पानी तथा मच्छरों के प्रजनन की समस्याओं को रोकने के लिए गड्ढों का भराव तथा मकानों के बीच कंकरीट अथवा पक्की ईंटों वाली सड़कों का निर्माण।
  - ➢ झाड़ियों की कांट–छाट का कार्य करवाना।
  - ➢ जलाशयों एवं तालाबों से हाईसिन्थ पौधों की सफाई।
- **वातावरणीय स्वच्छता :**
  - ➢ जल निकासी एवं साफ–सफाई, वाटर सील्ड शौचालयों की आवश्यकता ग्राम स्तर पर कचरा निस्तारण एवं प्रबन्धन व्यवस्था का विकास।
  - ➢ संक्रमण तथा जल संदूषण की उत्तरदायी खुली नालियों को ढकना।
  - ➢ सभी संवेदनशील ग्रामों में स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत ग्रामों में प्रत्येक मकान में शौचालय का निर्माण कर ग्रामों को खुले में शौच से मुक्त बनाना।
  - ➢ ग्रामीण क्षेत्रों में कूड़ेदानों की स्थापना में सहयोग।
- ग्राम स्तर पर ऐच्छिक स्वास्थ्य प्रेरक चिन्हित कर ग्रामवासियों के मार्गदर्शन हेतु इनका स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से प्रशिक्षण सुनिश्चित करवाना।

(4) **पशुपालन विभाग–**

- सूकर पशुपालकों को अन्य व्यवसाय जैसे पोल्ट्री उद्योग को अपनाने हेतु जागरूक एवं प्रेरित करना।
- इसके अतिरिक्त सूकर पालन स्थल पर वेक्टर नियंत्रण एवं सीरो सर्विलेन्स की व्यवस्था करना।

- यथासंभव सूकर बाड़े मनुष्य आबादी से दूर स्थापित करवाना।
- सूकर पालकों को सूकर बाड़े की साफ–सफाई, कीटनाशक छिड़काव एवं मच्छररोधी जाली से ढकने हेतु प्रशिक्षित किया जाना।
- सभी प्रकार के पशु बाड़ों की स्वच्छता, कचरा निस्तारण तथा मच्छररोधी जाली के प्रयोग हेतु पशु पालकों का गहन संवेदीकरण।

(5) **बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग –**

- आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार हेतु प्रशिक्षण प्रदान कर संवेदीकरण किया जाना।
- बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा वी0एच0एस0एन0डी0 की बैठक कराने के साथ सोशल डिस्टेन्सिंग के प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुये टीकाकरण के साथ–साथ कुपोषित बच्चों का चिन्हीकरण एवं पोषाहार वितरण सहित अन्य कार्य पूर्व की भांति कराया जाना।
- आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के द्वारा अपने क्षेत्र के समस्त कुपोषित तथा अति कुपोषित बच्चों की सूची बनाकर उनको उचित पोषाहार उपलब्ध कराना तथा आवश्कता होने पर पोषण पुनर्वास केन्द्रों पर उपचार तथा पोषण पुनर्वास हेतु भेजना ।
- ए0ई0एस0/जे0ई0 रोग से विकलांग कुपोषित बच्चों को अति कुपोषित बच्चों की भाँति पुष्टाहार/टेक–होम राशन उपलब्ध कराना।
- संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार हेतु जन जागरण अभियान यथा दस्तक अभियान में स्थानीय ए0एन0एम0 तथा आशा कार्यकत्रियों को सहयोग करते हुए कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग प्रदान करना।
- विकलांग बच्चों के प्रशिक्षण एवं अन्य सुविधाओं की व्यवस्था के लिए विकलांग कल्याण विभाग से समन्वय स्थापित कर सहयोग प्राप्त करना।
- आशा कार्यकत्री द्वारा संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान हेतु क्षेत्र में सम्पादित की जा रही समस्त गतिविधियों एवं गृह भ्रमण में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री आशा कार्यकत्री के साथ रहते हुए पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी। इस हेतु आवश्यक निर्देश सभी जनपदों को ससमय प्रेषित कर दिए जाए।

(6) **शिक्षा विभाग–**

- अभिभावकों–शिक्षकों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर कोविड–2019, दिमागी बुखार एवं अन्य संचारी रोगों से बचाव, रोकथाम एवं उपचार हेतु संवेदीकरण किया जाये, विशेषकर सुरक्षित पीने का पानी, शौचालय का प्रयोग, खुले में शौच के नुकसान पर जोर दें। हर बुखार खतरनाक हो सकता है, दिमागी बुखार के कारण क्या है, बुखार होने पर **"क्या करें, क्या ना करें"**, के विषय में जागरुक करें।
- व्हाट्सएप ग्रुप द्वारा–क्लोरिनेशन डेमो, पेयजल को उबालना, साबुन से हाथ धोना, शौचालय का प्रयोग इत्यादि के विषय में जागरुक करें।
- स्कूल प्रबन्धन समिति के सदस्यों का उनके मासिक बैठक में दिमागी बुखार पर संवेदीकरण करें।
- शिक्षा विभाग द्वारा पुस्तकों के वितरण के समय अभिभावकों का संवेदीकरण किया जायेगा एवं छात्रों की ऑन–लाईन प्रतिस्पर्धा कराई जायेगी।
- दिमागी बुखार पोस्टर को स्कूल में प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करना।
- शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गए गतिविधि कैलेंडर के अनुसार गतिविधियों का संचालन।

- छात्रों की गतिविधियों में उनके अभिभावकों की भी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु इस अभियान हेतु छात्रों को दिए गए असाइनमेंट्स यथा पोस्टर, निबंध इत्यादि पर अभिभावकों से भी दो पंक्तियों की टिप्पणी लिखने का आग्रह किया जाए।

(7) **चिकित्सा शिक्षा विभाग–**

- बी0आर0डी0 मेडिकल कालेज, गोरखपुर तथा किंग जार्ज चिकित्सा महाविद्यालय, लखनऊ द्वारा पीडियाट्रिक आई0सी0यू0 के सफल संचालन के लिये जनपदों के चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टॉफ एवं स्टॉफ नर्सेज को तथा ए0ई0एस0/जे0ई0 रोग की प्रयोगशाला जाँच हेतु प्रयोगशाला प्राविधिक को प्रशिक्षित किया जाना।
- बी0आर0डी0 मेडिकल कालेज, गोरखपुर में ए0ई0एस0/जे0ई0 रोगियों के उपचार हेतु मानव संसाधन एवं उपकरणों की उपलब्धता व प्रयोगशाला में ए0ई0एस0 रोगियों के विभिन्न कारकों की जांच हेतु सुदृढ़ीकरण किया जाना।
- राज्य स्तरीय रैपिड रिस्पांस टीम के सदस्य के रूप में आउट ब्रेक रिस्पांस तथा नीति निर्धारण में सहायता।

(8) **दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग –**

- ए0ई0एस0/जे0ई0 रोग के उपरान्त दिव्यांग हुए बच्चों का सर्वे, जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी द्वारा करवाया जाना।
- जनपद स्तर पर स्थापित डिस्ट्रिक्ट डिसेबिलिटी रिहैबिलिटेशन सेन्टर का सुदृढ़ीकरण किया जाना जिससे इन विकलांग बच्चों को इस योग्य बनाया जा सके कि वे अन्य शिक्षा संस्थानों में सामान्य बच्चों के साथ ही शिक्षा ग्रहण कर सकें।
- विकलांग बच्चों हेतु आवश्यक सहायक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

(9) **कृषि एवं सिंचाई विभाग–**

- एकत्र हुए पानी में मच्छरों के प्रजनन को रोकने तथा सिंचाई के वैकल्पिक उपायों पर अपनी तकनीकी सलाह देना।
- मच्छर रोधी पौधों का उगाया जाना।
- विभागीय पौधशाला से पौधे तथा बीज उपलब्ध कराना (नवीन फसलें तथा मच्छर रोधी पौधे)।
- खेतों में कृंतक नियंत्रण के प्रभावी एवं सुरक्षित उपाय बताना।
- नहरों तथा तालाबों के किनारे उगी अवांछित वनस्पतियों को प्रत्येक पखवाड़े हटाना।
- कृषि–मित्रों इत्यादि लिंक कार्यकर्ताओ की मदद से उपरोक्त गतिविधियों के संचालन के निरीक्षण में मदद उपलब्ध कराना।
- खेतों में मच्छरों के प्रजनन को रोकने/कम करने हेतु नई तकनीकों के प्रयोग के लिए मदद उपलब्ध कराना।
- ग्रामीण आबादी क्षेत्रों के निकट नहरों में जल–क्षरण की मरम्मत करना ताकि मच्छर के प्रजनन के स्थान कम से कम रहें।

(10) **सूचना विभाग:** सभी स्तरों पर विभिन्न विभागों से नियमित संपर्क एवं समन्वय स्थापित कर विभागों द्वारा की जा रही कार्यवाही तथा गतिविधियों का विभिन्न सूचना माध्यमों से व्यापक प्रचार प्रसार।

(11) **उद्यान विभाग** : सार्वजानिक उद्यानों एवं विद्यालयों में मच्छर विकर्षी पौधों का

रोपण।

उपरोक्त सभी विभागों को उनके द्वारा "**संचारी रोग नियंत्रण अभियान–माह जुलाई, 2021**" में किये जाने वाले कार्यों की ग्रामवार माहवार कार्ययोजना तैयार कर ब्लाक तथा जिला स्तरीय समन्वय समिति में प्रस्तुत कर **ब्लॉक/जनपद स्तरीय समेकित कार्ययोजना** तैयार की जानी है जिसकी प्रगति की समीक्षा **प्रत्येक शनिवार अन्तर्विभागीय समीक्षा बैठकों** में की जाएगी। **विभागवार लक्ष्य के सापेक्ष शनिवार तक की गतिविधियों की साप्ताहिक रिपोर्ट का राज्य मुख्यालय पर प्रेषण प्रत्येक सोमवार (समीक्षा बैठक में पाई गयी कमियों पर एक्शन टेकेन रिपोर्ट के साथ) किया जायेगा। लक्ष्य के सापेक्ष अभियान की सम्पूर्ण माह की रिपोर्ट का राज्य मुख्यालय पर प्रेषण 5 अगस्त, 2021 तक अनिवार्य रूप से किया जायेगा।**

उपरोक्त सभी बिन्दुओं का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए उपरलिखित तालिका के अनुसार विभिन्न बैठकों एवं प्रशिक्षणों का **आयोजन करते हुए दिनांक 28 जून, 2021, तक सभी विभागों के जनपदीय तथा ब्लॉक स्तरीय माइक्रो प्लान मुख्य चिकित्साधिकारी एकत्र कर WHO-NPSP तथा UNICEF को दिनांक 30 जून, 2021, तक उपलब्ध करा दिए जाएँ** ताकि सभी विभागों की गतिविधियों का कार्य योजना के सापेक्ष पर्यवेक्षण इन एजेंसीज के माध्यम से कराया जा सके। कार्य योजना की सॉफ्ट कॉपीज़ तैयार करवाकर राज्य मुख्यालय को भी प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

प्रदेश के समस्त जनपदों में व्यापक जन–जागरूकता हेतु दस्तक अभियान का द्वितीय चरण आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर–घर जाकर इन बीमारियों के बचाव तथा उपचार के सम्बन्ध में विभिन्न जानकारी देंगे तथा अन्य सभी विभाग अपनी–अपनी सम्बन्धित गतिविधियों का संचालन करेंगे।

अभियान की समाप्ति के उपरान्त समस्त विभागों का लक्ष्य के सापेक्ष गतिविधि विवरण तथा एक्शन टेकेन रिपोर्ट माननीय मुख्यमंत्री कार्यालय प्रेषित किये जाने हैं अतः समयबद्धता तथा रिपोर्ट की पूर्णता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

समस्त जनपदों में दस्तक अभियान

प्रदेश के समस्त जनपदों में दिमागी बुखार, कोविड–19 एवं अन्य संक्रामक रोगों के सम्बन्ध में व्यापक जन–जागरूकता हेतु माह जुलाई 2021 में दिनांक 12 से 25 जुलाई के मध्य दस्तक अभियान आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर–घर जाकर इन बीमारियों के बचाव तथा उपचार के सम्बन्ध में विभिन्न जानकारी देंगे। समस्त जनपदों में संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम की समस्त अन्तर्विभागीय गतिविधियाँ यथावत जारी रहेंगी। जिनके साथ–साथ आशा तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा गृह भ्रमण कर विशेष सावधानियां बरतते हुये कोविड–2019, दिमागी बुखार से बचाव तथा इसके उपचार के विषय में स्वास्थ्य शिक्षा तथा आवश्यक जानकारी देते हुये जन–जागरूकता फैलाने का कार्य भी किया जायेगा।

जैसा कि आप अवगत है कि दस्तक एक व्यापक स्वास्थ्य शिक्षा, जागरूकता तथा सामाजिक एवं व्यवहार परिवर्तन संचार रणनीति है, जो लोगों को बचाव और सही समय पर उपचार के संदेश पहुंचा कर उन्हें दिमागी बुखार की समस्या को निपटाने के लिये प्रेरित करेगी। **दस्तक का शाब्दिक अर्थ है "दरवाजा खटखटाना"।**

इस अभियान के जरिये दिमागी बुखार सम्बन्धित शिक्षा एवं व्यवहार परिवर्तन के संदेश गाँव के हर एक घर और परिवार तक पहुंचाने का हमारा लक्ष्य है। यह जानकारी देनी है कि क्या करना है, क्या नहीं करना है ताकि वे समय रहते सही उपाय अपनाने के लिये जागरूक बने। अभियान को प्रभावी बनाने में क्षेत्रीय कार्यकर्ता जैसे आशा, आंगनबाड़ी, ए0एन0एम0, स्कूल शिक्षक और ग्राम प्रधान/ग्राम विकास अधिकारी की अहम भूमिका है। इस अभियान में बुखार के रोगियों का निकटवर्ती सरकारी अस्पताल में त्वरित तथा सही उपचार कराए जाने पर विशेष बल दिया जाना है।

आशा कार्यकर्त्रियों की इस अभियान में सहभागिता सुनिश्चितीकरण तथा उनके द्वारा किये गये कार्यों का न्यूनतम 10 प्रतिशत सत्यापन जनपद स्तर पर डी0सी0पी0एम0 तथा ब्लाक स्तर पर बी0सी0पी0एम0 का उत्तरदायित्व होगा।

दस्तक अभियान में आशा की भूमिका

दिमागी बुखार सम्बन्धित जागरूकता बढ़ाने और बचाव और उपचार संदेश के प्रसार में आशा की महत्वपूर्ण भूमिका है। वह समुदाय को संवेदीकृत करने और कोविड–2019 व ए0ई0एस0/जे0ई0 रोग से बचाने के लिये बेहतर व्यवहारों को अपनाने के लिये समुदाय को प्रेरित करेगी।

- आशा ब्लॉक स्तरीय दिमागी बुखार बैठक/प्रशिक्षण में सोशल डिस्टेन्सिंग के प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुये प्रतिभाग करेंगी।
- प्रशिक्षण के उपरान्त आशा से अपेक्षित है कि वह हर घर तक पहुंचे, परिवारों से सम्पर्क करें और मुख्य संदेश प्रसारित करें।
- गृह भ्रमण का ट्रैक रखने के लिए और अपने गृह सम्पर्क दर्शाने के लिये वह घर में (जिनमें 15 वर्ष से कम आयु के बच्चे अथवा क्षय रोग के लक्षणों वाले व्यक्ति पाए जाएँ) प्रमुख जगह पर स्टीकर (दिया जायेगा) लगायेगी और यह सुनिश्चित करेंगी कि घर के सदस्य किसी भी बुखार के समय नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर सम्पर्क करें।
- संदेश प्रसारित करने के लिये घर–घर सम्पर्क करने के साथ आशा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर पर होने वाले गतिविधियों में सहयोग करेंगी, जैसे मातृ समूह की बैठक का आयोजन, समय–समय पर स्कूल का भ्रमण और शिक्षकों को बच्चों में जागरूकता बढ़ाने में मदद करना, दिमागी बुखार पर स्वयं सहायता समूहों की बैठक कराना, मातृ बैठकों का आयोजन, वीएचएसएनसी बैठकों का आयोजन एवं पेय जल को साफ करने के लिये क्लोरिनेशन का डेमो आयोजित करना यह सब उसके प्रशिक्षण का हिस्सा है।
- आशा दस्तक अभियान की ग्राम स्तर की गतिविधियों की योजना बनायेगी।
- आशा अपनी योजना ए0एन0एम0 के साथ साथ ब्लाक चिकित्सालय पर साझा करेंगी। यह योजना स्वास्थ्य विभाग द्वारा आशा को दिये गये प्रारूप में बनायी जायेगी। सही तरीके से प्रारूप भरने के बाद आशा उसे ए0एन0एम0 को समय से जमा (बैठक में तय की गई तिथि तक) करेंगी।
- दस्तक अभियान के दौरान, आशा अपने किये गये कार्यों की सूचना प्रतिदिन भर कर ए0एन0एम0 को उपलब्ध कराएगी।
- वाहक नियंत्रण गतिविधियॉ – ग्रामीण क्षेत्रों में वाहक के विषय में जनता को जागरूक करना, मच्छरों के प्रजनन के अनुकूल परिस्थितियों की जाँच करना।
- माह मार्च 2021 के दस्तक अभियान के सामान माह जुलाई 2021 के दस्तक अभियान में भी फ्रंट लाइन वर्कर्स (आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों) प्रत्येक मकान पर क्षय रोग के संभावित रोगियों के विषय में भी जानकारी प्राप्त करेंगी तथा क्षय रोग के लक्षणों वाले किसी व्यक्ति की सूचना प्राप्त होने पर उस व्यक्ति का नाम पता एवं मोबाइल नंबर सहित संपूर्ण विवरण एक लाइन लिस्टिंग फॉर्मेट में अंकित कर क्षेत्रीय ए0एन0एम0 के माध्यम से ब्लॉक मुख्यालय पर उपलब्ध करायेंगी।

फ्रंट लाइन वर्कर्स (आशा एवं आंगनवाडी कार्यकत्री) निम्न सूचियां अपनी रिपोर्ट के साथ प्रतिदिन कार्य की समाप्ति पर क्षेत्रीय ए0एन0एम0 के माध्यम से ब्लॉक मुख्यालय पर उपलब्ध कराएंगे –

1. बुखार के रोगियों की सूची
2. आई0एल0आई0 (इन्फ्लुएंजा लाइक इलनेस) रोगियों की सूची

3. क्षय रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची
4. कुपोषित बच्चों की सूची

इस हेतु आशा/आंगनबाड़ी अद्यतन रिपोर्टिंग प्रपत्र उपलब्ध कराया जा रहा है।

इन समस्त कार्यों हेतु आशा अपने क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री का सहयोग प्राप्त करेंगी।

उत्तरदायित्व निर्धारण

संचारी रोग नियंत्रण माह में जन–जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न स्तरों पर निम्नवत उत्तरदायित्व निर्धारित किये गए हैं –

खण्ड विकास अधिकारी की भूमिका –

ब्लॉक स्तर पर खण्ड विकास अधिकारी, ग्राम प्रधानों/ग्राम विकास अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले समस्त कार्यों के लिए नोडल अधिकारी की भूमिका निभाएंगे तथा उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति की निरन्तर समीक्षा करेंगे:–

1. समस्त 75 जनपदों के समस्त विकास खण्डों पर दिनाँक 25–26 जून, 2021 के मध्य सोशल डिस्टेन्सिंग प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए ग्राम विकास अधिकारियों की विशेष मासिक बैठक आयोजित कर प्रातः 11.00 बजे से 01.00 बजे तक का समय संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार के सम्बन्ध में ग्राम प्रधानों/ग्राम विकास अधिकारियों के संवेदीकरण हेतु रक्षित कर इसमें ग्राम विकास अधिकारियों की शत–प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करेंगे।
2. समस्त सहायक ब्लॉक विकास अधिकारी को क्षेत्र आवंटित कर दस्तक अभियान के सन्दर्भ में उनके क्षेत्र में किये गये कार्य की समीक्षा करेंगे।
3. समस्त ग्राम विकास अधिकारियों को ग्राम स्तर पर की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों यथा–साफ–सफाई, जन–जागरुकता, हैण्डपम्प/हैण्डपम्प प्लेटफार्म की मरम्मत, उथले हैण्डपम्पों का चिन्हिकरण, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, ग्रामों को खुले में शौच से मुक्त करना, अध्यापकों द्वारा अभिभावकों व्हाट्सएप ग्रुप द्वारा दिमागी बुखार/संचारी रोगों के कारणों तथा बचाव के उपायों से अवगत कराने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ संचालित करना, फॉगिंग, लार्वीसाइडल स्प्रे, ए0ई0एस0 के कारण विकलांग बच्चों का चिन्हीकरण कर उनको सहायता/उपकरण उपलब्ध कराना आदि हेतु निर्देशित कर उनके द्वारा ग्राम स्तर पर सम्पादित कराये गये कार्य की समीक्षा कर आख्या ब्लॉक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से समन्वय समिति को उपलब्ध करायेंगे।

शिक्षकों की भूमिका –स्कूल स्तर पर की जाने वाले गतिविधियां–

- अभिभावक–शिक्षक व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर दिमागी बुखार, कोविड–19 एवं अन्य संचारी रोगों से बचाव, रोकथाम एवं उपचार हेतु संवेदीकृत करेंगे तथा सुरक्षित पीने का पानी, शौचालय का प्रयोग, खुले में शौच के नुकसान पर जोर देंगे तथा हर बुखार खतरनाक हो सकता है, दिमागी बुखार के कारण क्या है, बुखार होने पर "क्या करें, क्या ना करें", के विषय में संवेदीकृत करेंगे।
- व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से – क्लोरिनेशन डेमो, पेयजल को उबालना, साबुन से हाथ धोना, शौचालय का प्रयोग इत्यादि।
- स्कूल प्रबन्धन समिति के सदस्यों का उनके मासिक बैठक में दिमागी बुखार पर संवेदीकरण करें।
- शिक्षा विभाग द्वारा पुस्तकों के वितरण के समय अभिभावकों का संवेदीकरण किया जाएगा एवं छात्रों की ऑन–लाइन प्रतिस्पर्धा कराई जायेगी।
- दिमागी बुखार पोस्टर को स्कूल में प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करना।
- शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए गतिविधि कैलेंडर के अनुसार गतिविधियों का संचालन।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के लांच हेतु चिन्हित गतिविधियाँ

जनसामान्य में अधिकतम प्रभाव के लिए सभी गतिविधियों का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए तथा दिनांक **1** जुलाई, **2021** को अभियान को प्रारम्भ किया जाए।

समस्त सरकारी कार्यालयों में विभागाध्यक्ष, विद्यालयों में अध्यापक, नगरीय निकायों में कार्यकारी अधिकारी तथा ग्राम स्तर पर ग्राम विकास अधिकारी द्वारा पर्यावरणीय तथा व्यक्तिगत स्वच्छता एवं रोगों से बचाव हेतु सभी आवश्यक उपाय अपनाने हेतु जागरुक करें।

उपरोक्त हेतु जनपद स्तर पर अन्तर्विभागीय बैठक आहूत करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नकःयथोक्त।

भवदीय,

(राजेन्द्र कुमार तिवारी)
मुख्य सचिव।

संख्याः—1226/पांच—5—2021 तद्दिनांकः

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

(1) महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0।
(2) मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0।
(3) निदेशक, संक्रामक रोग, उ0प्र0, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।
(4) समस्त सम्बन्धित, मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0।
(5) समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी, उ0प्र0।
(6) गार्ड फाईल।

वि.न.डं
10/6/2021

आज्ञा से,

(अमित मोहन प्रसाद)
अपर मुख्य सचिव ।

vk.go-com4

संचारी रोग नियंत्रण अभियान
जुलाई ,2021

INTERDEPARTMENTAL MEETING
CHAIRED BY ACS, MHFW
15-06-2021

संचारी रोग नियंत्रण अभियान

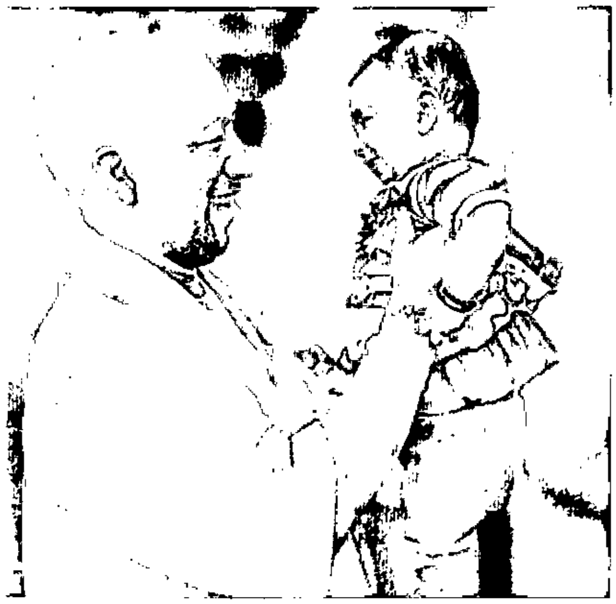

सं नियंत्रण अभियान

उद्देश्य : अंतर्विभागीय सहयोग के द्वारा संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण

स्थ्य एवं परिवार कल्याण

स0

एवं पंचायती राज विभाग

हरी विकास

भाग

ण

मिशन

ग

ा

PARTENRS

- UNICEF
- PATH
- WHO-NPSP
- TATA TRUSTS
- PLAN INDIA
- GODREJ CSR

DR VIKASNEDU AGARWAL JD-IDSP-UP

संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु चिन्हित अन्तर्विभागीय गतिविधियां
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
नोडल विभाग
ागरुकता अभियान के उपचार की व्यवस्था रोगों तथा दिमागी बुखार के रोगियों की निगरानी (सर्विलांस) इन वर्कर्स द्वारा उलब्ध कराई गयी लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची में उल्लिखित रोगियों की के अनुसार संचारी रोगों अथवा कोविड रोग हेतु जाँच की व्यवस्था। इन वर्कर्स द्वारा उलब्ध कराई गयी क्षय रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची में उल्लिखित की लक्षण के अनुसार क्षय रोग हेतु जाँच रोगियों के उपचार की व्यवस्था। के निःशुल्क परिवहन हेतु रोगी वाहन की सेवा की व्यवस्था वं नगर विकास विभाग से समन्वय स्थापित करते हुये वाहक नियंत्रण गतिविधियां प्रसार एवं व्यवहार परिवर्तन गतिविधियां रंग, पर्यवेक्षण, रिर्पोटिंग, अभिलेखीकरण एवं विश्लेषण

संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु चिन्हित अन्तर्विभागीय गतिविधियां	
ग्राम्य विकास/पंचायती राज विभाग	
गतिविधियां	• ग्रामों में नालियों की साफ–सफाई। • जलभराव का निस्तारण • ग्रामवासियों के सहयोग से श्रमदान द्वारा झाड़ियों की कटाई। • उथले हैण्डपम्प को लाल रंग से चिन्हीकरण एवं इण्डिया मार्क।। हैण्डपम्प / प्लेटफार्म की मरम्मत • ग्रामों में लार्वीसाइडल स्प्रे गतिविधि, मनरेगा फण्ड से फॉगिंग की मजदूरी का भुगतान। • ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी के बीच वाले तालाबों को अपशिष्ट तथा प्रदूषण मुक्त रखना। • ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज विभाग द्वारा ए0ई0एस0/जे0ई0 एवं अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु माइकिंग के माध्यम से प्रचार–प्रसार। • ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम निगरानी समीतियों के माध्यम से कोविड तथा संचारी रोगों के विषय में निरंतर जागरूकता स्थापित रखना तथा कोविड रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों को मेडिसिन उपलब्ध कराने में सहयोग करना।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु चिन्हित अन्तर्विभागीय गतिविधियां	
आई0सी0डी0एस0	
गतिविधियां	• कुपोषित बच्चों की पहचान एवं उपचार हेतु सन्दर्भन • आशा एवं ए0एन0एम0 कार्यकत्रियों के सहयोग से अपने क्षेत्र में जनजागरण।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु चिन्हित अन्तर्विभागीय गतिविधियां	
शिक्षा विभाग	
गतिविधियां	• सभी विद्यालयों में स्वास्थ्य नोडल अध्यापक चिन्हित कर जनपद तथा राज्य स्तर पर डायरेक्टरी तैयार किया जाना। • शिक्षा विभाग (बेसिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा) द्वारा अभिभावक–अध्यापक व्हाट्सएप ग्रुप द्वारा ऑडियो–वीडियो कम्यूनिकेशन द्वारा मीटिंग तथा संचारी रोगों के रोकथाम, सोशल डिस्टेन्सिंग एवं साफ–सफाई के बारे में जानकारी दी जायेगी तथा अध्यापकों द्वारा छात्रों फीवर ट्रैकिंग, प्रचार–प्रसार आदि का कार्य कराया जायेगा। • उच्च शिक्षा के छात्र जो एन0सी0सी0/एन0एस0एस0 अथवा स्काउट में प्रतिभाग कर रहे हैं उनके द्वारा कोविड वालेन्टियर्स का कार्य भी लिया जा सकता है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु चिन्हित अन्तर्विभागीय गतिविधियां

नगर निगम / शहरी विकास

- नगरीय निकायों के चुने हुये जनप्रतिनिधियों का संचारी रोगों की रोकथाम तथा साफ–सफाई के सम्बन्ध में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से संवेदीकरण।
- नगरीय क्षेत्र में मोहल्ला निगरानी समीतियों के माध्यम से कोविड तथा संचारी रोगों के विषय में निरंतर जागरूकता स्थापित रखना तथा कोविड रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों को मेडिसिन उपलब्ध कराने में सहयोग करना।
- नलियों / कचरे की सफाई करवाना–स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित करते हुये फॉगिंग, लार्वीसाइडल स्प्रे तथा साफ–सफाई गतिविधियों की समेकित कार्ययोजना।
- शहरी क्षेत्रों में फॉगिंग करवाना।
- मच्छरजनक स्थितियां पैदा करने वाले व्यक्तियों /संस्थानों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही विषयक उपविधि लागू करना।
- नगरीय क्षेत्रों में वातावरणीय व व्यक्तिगत स्वच्छता के उपायों, खुले में शौंच न करने एवं शुद्ध पेयजल के प्रयोग तथा मच्छरों की रोकथाम हेतु जागरुकता अभियान संचालित करना।
- खुली नालियों को ढकने की व्यवस्था करना।
- उथले हैण्डपम्पों का प्रयोग रोकने के लिये उन्हें लाल रंग से चिन्हित किया जाना।
- शुद्ध पेयजल की उपलब्धता हेतु हैण्डपम्प की रीबोरिंग एवं पेयजल की गुणवत्ता के अनुश्रवण के लिये बैक्टीरियोलॉजिकल /वायरोलॉजिकल जांच।
- जलभराव तथा वनस्पतियों की वृद्धि को रोकने के लिये आवश्यक गतिविधियां।
- नगरीय क्षेत्रों में ए0ई0एस0/जे0ई0 एवं अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु माइकिंग के माध्यम से प्रचार–प्रसार।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु चिन्हित अन्तर्विभागीय गतिविधियां

कृषि विभाग

- आवासीय क्षेत्रों के आस–पास छछून्दर, चूहों आदि को नियंत्रित करने हेतु उपाय करना।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु चिन्हित अन्तर्विभागीय गतिविधियां

पशुपालन विभाग

- आबादी वाले क्षेत्रों से सूकर बाड़ों को दूर रखने हेतु जागरुक करना।
- सूकर पशुपालकों को अन्य व्यवसाय जैसे पोल्ट्री उद्योग को अपनाने हेतु जागरूक एवं प्रेरित करना।
- इसके अतिरिक्त सूकर पालन स्थल पर वेक्टर नियंत्रण एवं सीरो सर्विलेन्स की व्यवस्था करना।
- सूकर पालकों को सूकर बाड़े की साफ–सफाई, कीटनाशक छिड़काव एवं मच्छररोधी जाली से ढकने हेतु प्रशिक्षित किया जाना।
- जानवरों के पालन स्थल को स्वच्छ रखने हेतु जागरुक करना।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु चिन्हित अन्तर्विभागीय गतिविधियां	
दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग	
गतिविधियां	• ए0ई0एस0/जे0ई0 रोग के उपरान्त दिव्यांग हुए बच्चों का सर्वे जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी द्वारा करवाया जाना। • जनपद स्तर पर स्थापित डिस्ट्रिक्ट डिसेबिलिटी रिहैबिलिटेशन सेन्टर का सुदृढ़ीकरण किया जाना जिससे इन विकलांग बच्चों को इस योग्य बनाया जा सके कि वे अन्य शिक्षा संस्थानों में सामान्य बच्चों के साथ ही शिक्षा ग्रहण कर सकें।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु चिन्हित अन्तर्विभागीय गतिविधियां	
सूचना विभाग	
गतिविधियां	• सभी स्तरों पर विभिन्न विभागों से नियमित संपर्क एवं समन्वय स्थापित कर विभागों द्वारा की जा रही कार्यवाही तथा गतिविधियों का विभिन्न सूचना माध्यमों से व्यापक प्रचार प्रसार।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु चिन्हित अन्तर्विभागीय गतिविधियां	
स्वच्छ भारत मिशन	
गतिविधियां	• उच्च रोगभार वाले ग्रामों को प्राथमिकता के आधार पर खुले में शौच से मुक्त करना।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के लांच हेतु चिन्हित गतिविधियाँ

1. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग– फ्लैग ऑफ
   - अ. एल0ई0डी0 वैन
   - ब. स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा रैली
   - स. फॉगिंग वाहन
2. पशुपालन विभाग–प्रचार–प्रसार वाहनों का फ्लैग ऑफ
3. दिव्यांगजन कल्याण विभाग–दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरणों का वितरण
4. स्वच्छ भारत मिशन–
   - अ. प्रचार–प्रसार वाहनों का फ्लैग ऑफ
   - ब. मानसून किट्स का वितरण
5. नगर विकास विभाग–फॉगिंग वाहनों का फ्लैग ऑफ
6. शिक्षा विभाग–रैलियां
7. ग्राम्य विकास विभाग–
   - अ. प्रभात फेरी
   - ब. साइकिल रैली

8. शपथ ग्रहण कार्यक्रम – समस्त सरकारी कार्यालयों में विभागाध्यक्ष, विद्यालयों में अध्यापक, नगरीय निकायों में कार्यकारी अधिकारी तथा ग्राम स्तर पर ग्राम प्रधान द्वारा

प्रशिक्षण तथा संवेदीकरण बैठकों के आयोजन का उद्देश्य तथा अपेक्षित परिणाम

संचारी रोग : उचित साधन अपनाए जाने पर बचाव तथा नियंत्रण संभव

ावश्यक

ामान्य द्वारा किए जा सकने वाले अनेक कार्यों के विषय में समाज में समझ तथा जानकारी

भागीय सहयोग

द तथा ब्लॉक स्तर पर विभिन्न जनप्रतिनिधियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स तथा शिक्षकों इत्यादि को क्षित किया जाना

विभागों के पूर्व निर्धारित उत्तरदायित्व एवं कार्ययोजनायें

परिणाम – संचारी रोग नियंत्रण अभियान को सफलतापूर्वक संपादित करना

DR VIKASNEDU AGARWAL JD-IDSP-UP

संचारी रोग तथा दस्तक अभियान हेतु जनपद तथा ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण

क्र सं	ा नाम	प्रशिक्षण में प्रतिभागी	स्थान	उत्तरदायित्व	प्रशिक्षण की विषय वस्तु /उद्देश्य
	भाग	जनपद स्तरीय प्रशिक्षण- सभी ब्लॉक्स से 4 ब्लॉक ट्रेनर्स	मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय	CMO/ACMO (VBD)	राज्य स्तरीय प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी तथा प्रशिक्षण सामग्री का प्रयोग करते हुए ब्लॉक प्रशिक्षकों को इस प्रकार प्रशिक्षित करना कि वे चिकित्सा, ग्राम विकास, शिक्षा,नगर विकास तथा आई सी डी एस विभागों के उत्तरदायित्व तथा कार्ययोजना निर्माण के विषय में ब्लाक स्तर पर प्रशिक्षण देने हेतु पूर्ण रूप से सक्षम हो जाएँ
		ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण - पर्यवेक्षक, फ्रंट लाइन वर्कर्स-ऐ एन एम, आशा	ब्लॉक स्तरीय चिकित्सालय पर स्वास्थ्य विभाग के ब्लॉक प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण	Block MOIC	विभिन्न संचारी रोगों के विषय में संक्षिप्त जानकारी, रोकथाम के उपाय, दस्तक अभियान में परिवारों को आशा द्वारा दी जाने वाली जानकारी, उपकेन्द्र कार्ययोजना (ऐ एन एम द्वारा) तथा घर घर भ्रमण कार्ययोजना (आशा द्वारा) बनवाकर ब्लाक चिकित्सालय पर जमा करवाना. आशा कार्यकत्रियों को मलेरिया जांच हेतु स्लाइड बनाने तथा RDT से जाँच का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा.
		प्रत्येक विद्यालय से एक नोडल अध्यापक	ऐ0बी0एस0ऐ0 कार्यालय	ABSA	नोडल अध्यापकों का संचारी रोगों, पर्यावरणीय एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के विषय में छात्रों को दिए जाने वाले संदेशों तथा शिक्षा विभाग की गतिविधियों तथा कार्ययोजना के विषय में संवेदीकरण करना
		ग्राम प्रधान.ग्राम विकास अधिकारी	बी0डी0ओ0 कार्यालय	BDO	रोगों की रोकथाम हेतु जागरूकता बैठकें तथा रैली, ग्रामीण क्षेत्रों में साफ़- सफाई, मच्छरों तथा रोडेन्टस की रोकथाम, असुरक्षित जल स्रोतों का चिन्हीकरण तथा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना, मनरेगा फंड्स का प्रयोग करते हुए स्वास्थ्य विभाग के दिशा -निर्देशन में फोगिंग तथा लार्विसायीडल स्प्रे
	विभाग	स्थानीय निकाय के निर्वाचित सदस्य तथा कर्मचारी	स्थानीय नगरीय निकाय मुख्यालय	Executive officer, Urban Body	नगरीय क्षेत्रों में साफ़- सफाई, मच्छरों तथा रोडेन्टस की रोकथाम, असुरक्षित जल स्रोतों का चिन्हीकरण तथा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना, स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से फोगिंग तथा लार्विसायीडल स्प्रे गतिविधियाँ ,स्वास्थ्य विभाग के साथ समेकित कार्ययोजना तैयार करना

नोट सभी प्रशिक्षण स्वास्थ्य विभाग के जनपद स्तर पर प्रशिक्षित स्वास्थ्य विभाग के ब्लाक ट्रेनर्स के द्वारा दिए जायेंगे, परन्तु प्रशिक्षण सत्र के आ ...यित्व उपरोक्त तालिका के अनुसार होगा . अन्य विभागों के प्रशिक्षण सत्रों में प्रिंटेड सामग्री हेतु ब्लाक मुख्यालय पर प्रति ब्लॉक रु 1000 की धन ...रायी जा रही है .

2. ...शिक्षण अभियान से पूर्ववर्ती सप्ताह में सम्पादित किये जाने चाहिए .

बैठक/ प्रशिक्षण का नाम	दिवस/ तिथि	उत्तरदायित्व
राज्य स्तरीय पार्टनर्स बैठक	दिनांक 10 जून, 2021	महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0।
राज्य स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठक	दिनांक 15 जून, 2021	निदेशक, संक्रामक रोग, उ0प्र0।
राज्य / जनपद / ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	दिनाँक 16 से 19 जून 2021	यूनीसेफ / पाथ / डब्लू0एच0ओ0 / राज्य मुख्यालय
ब्लॉक स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठकें	दिनाँक 18 जून, 2021	उप–जिलाधिकारी/ ब्लॉक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी/खंड विकास अधिकारी
प्रथम जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठक	दिनाँक 21 जून, 2021	जिलाधिकारी/मुख्य चिकित्सा अधिकारी
ब्लाक स्तर पर नोडल अध्यापकों का संवेदीकरण	ब्लाकवार योजना बनाते हुए दिनाँक 22–24 जून, 2021 के मध्य पूर्ण करा लिया जाए।	शिक्षा विभाग के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी
स्थानीय निकायों पर संवेदीकरण बैठकें	समस्त नगर निगम–मंगलवार, 22 जून, 2021 समस्त नगर पालिका–बुद्धवार, 23 जून, 2021 समस्त नगर पंचायत –बृहस्पतिवार, 24 जून, 2021	स्थानीय निकायों के कार्यकारी अधिकारी
ब्लाक स्तरीय ग्राम विकास अधिकारी संवेदीकरण बैठक	ब्लॉकवार योजना बनाते हुए दिनाँक 25–26 जून, 2021 के मध्य पूर्ण करा लिया जाए।	खंड विकास अधिकारी
विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु ब्लॉक एवं जनपद स्तरीय माइक्रोप्लान की उपलब्धता	दिनांक 28.06.2021	समस्त विभाग
द्वितीय जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठक	दिनाँक 29 जून, 2021	जिलाधिकारी/मुख्य चिकित्सा अधिकारी
दस्तक अभियान हेतु ब्लॉक स्तरीय माइक्रोप्लान की उपलब्धता(माह मार्च के माइक्रोप्लान पर आधारित)	दिनांक 30.06.2021	ब्लॉक प्रभारी चिकित्साधिकारी
दस्तक अभियान के संचालन हेतु ब्लॉक चिकित्सालय पर आशा, ए.एन.एम. तथा आँगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों का संवेदीकरण	ब्लॉक वार योजना बनाते हुए दिनाँक 01 जुलाई, 2021 से 08 जुलाई, 2021 के मध्य पूर्ण करा लिया जाए।	ब्लॉक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी

नोट :1: उपरोक्त सभी प्रशिक्षण, स्वास्थ्य विभाग के जनपद स्तर पर प्रशिक्षित स्वास्थ्य विभाग के ब्लॉक ट्रेनर्स के द्वारा दिए जायेंगे, परन्तु प्रशिक्षण सत्र के आयोजन का उत्तरदायित्व उपरोक्त तालिका के अनुसार होगा . अन्य विभागों के प्रशिक्षण सत्रों में प्रिंटेड सामग्री हेतु ब्लाक मुख्यालय पर प्रति ब्लॉक रु 1000 की धनराशि उपलब्ध करायी जा रही है . सभी प्रशिक्षण 20-30 प्रतिभागियों के छोटे समूहों में आयोजित किये जायेंगे. प्रशिक्षण स्थल पर सोशल डिस्टेंसिंग तथा मास्क पहनने सम्बन्धी सभी दिशा निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जायेगा.

महत्वपूर्ण बिंदु

संबंधित विभाग द्वारा समय से सभी जनपदों को निर्देशित किया जाना

- प्रशिक्षणों का आयोजन एवं प्रतिभागिता
- माइक्रो-प्लानिंग फॉरमैट्स पर कार्ययोजना तैयार कर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर उपलब्ध कराना
- कार्ययोजना के अनुसार सभी गतिविधियाँ संचालित करना
- 1 मार्च को सभी कार्यालयों एवं विद्यालयों में शपथ ग्रहण
- साप्ताहिक रिपोर्ट प्रत्येक सोमवार तक एवं अंतिम रिपोर्ट 5 अप्रैल तक राज्य मुख्यालय प्रेषित करना
- अपने विभाग की गतिविधियों का सुपरविजन एवं मॉनिटरिंग

NING ACTIVITIES – TIMELINE FOR SANCHARI 2-JULY 2021

मा 021 के संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान हेतु

- में दिनांक 18 जून को ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक

  प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, खंड विकास अधिकारी अन्य सभी विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी

  ागों के माइक्रो प्लैनिंग फोर्मट्स तथा प्रत्येक विभाग द्वारा अपेक्षित गतिविधियों के विषय में विस्तार

  लानिंग फॉर्मेट ब्लॉक स्तर से तैयार कर प्रत्येक विभाग के द्वारा जनपद स्तर पर प्रेषित किए जाने हैं ाग के जनपदीय मुख्यालय पर इनका संकलन कर यह माइक्रो प्लानिंग प्रपत्र प्रत्येक विभाग के द्वारा कित्सा अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध कराए जायेंगे।

- नपदों में जनपदीय टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन दिनाँक 21 जून को

  स्क फोर्स की बैठक के आयोजन, ब्लाक स्तरीय माइक्रो प्लानिंग फोर्मट्स की उपलब्धता एवं पूर्णता, तरीय अधिकारियों की अभियान से सम्बंधित गतिविधियों के विषय में जानकारी तथा अभियान की ग की रूपरेखा का आकलन

  पर विस्तृत चर्चा की जाए

AES JE AFFECTED DISTRICTS

38 Total JE affected Districts
20 High Risk Districts

Highest Priority Districts – 7 (Basti and Gorakhpur Divisions)

Most affected villages – 408 (2018) / 617(2017)

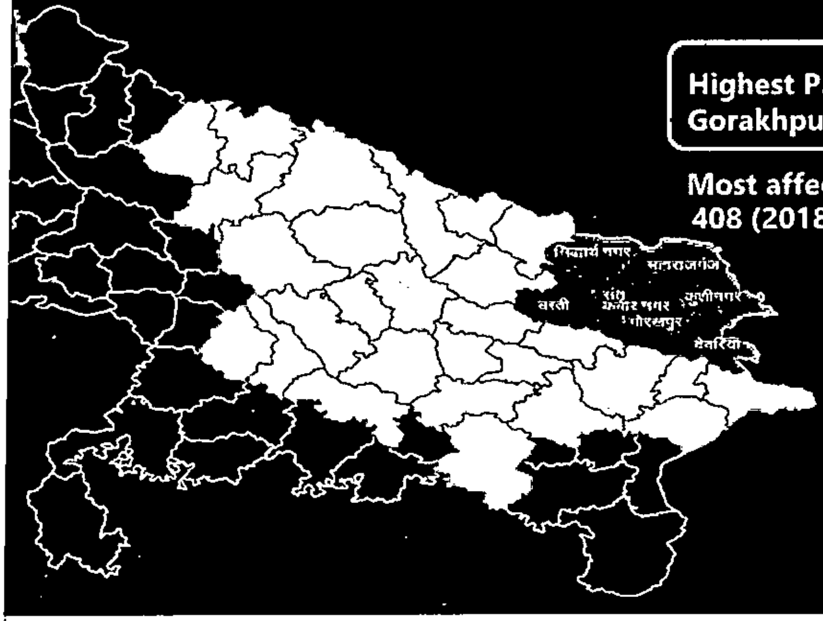

JE ENDEMIC DISTRICTS IN UP

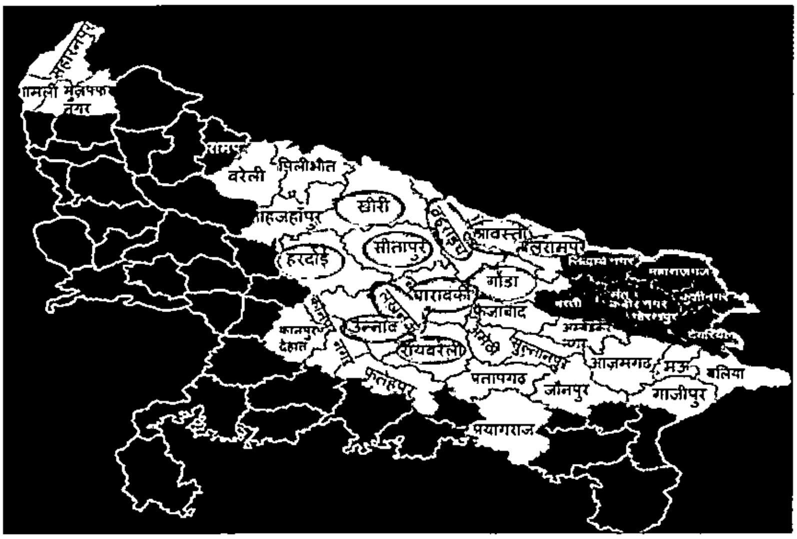

11 New Districts included for focused IEC-BCC Campaign (DASTAK) in year 2019

उ0प्र0 में ए0ई0एस0/जे0ई0 रोग की वर्षवार स्थिति

वर्ष	ए0ई0एस0			पुष्ट जे0ई0			जे0ई0 रोग का %
	ग्रसित	मृतक	रोग मृत्यु दर %	पुष्ट जे0ई रोगी	मृतक	रोग मृत्यु दर %	
2016	3911	641	16.39	442	74	16.74	11.30
2017	4724	655	13.87	693	93	13.42	14.67
2018	3077	248	8.06	329	30	9.12	10.69
2019	2185	126	5.77	235	21	8.94	10.76
2020	1646	83	5.04	100	9	9.00	6.08
2019 (14-06-2019)	442	14	3.17	24	1	4.17	5.43
2020 (14-06-2020)	179	2	1.12	8	0	0.00	4.47
2021 (14-06-2021)	232	5	2.16	6	0	0.00	2.59

ए0ई0एस0 के कुल रोगी, मृत्यु एवं मृत्यु–दर (%)

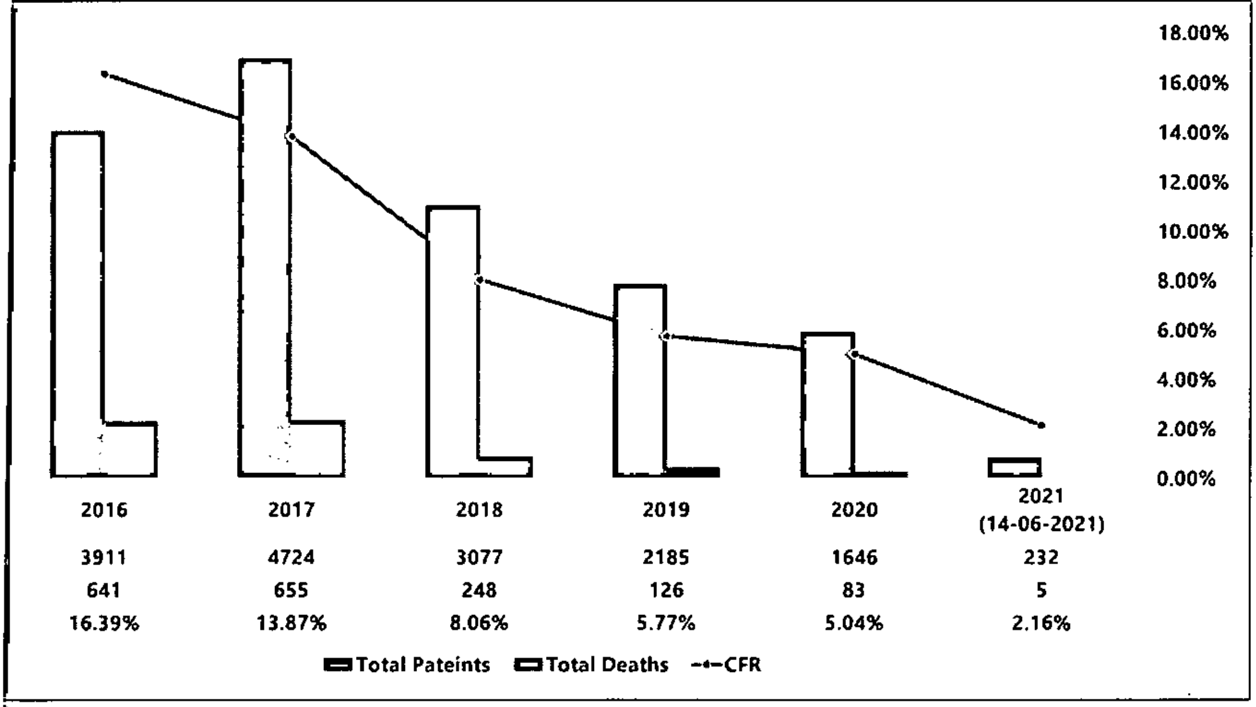

ी0 मेडिकल कालेज गोरखपुर तथा मस्तिष्क रोग उपचार केन्द्रों में भर्ती होने वाले रोगियों का तुलनात्मक विवरण

कुल दिमागी बुखार के मरीज	बी0आर0डी0 मेडिकल कालेज गोरखपुर में भर्ती होने वाले रोगी			मस्तिष्क रोग उपचार केन्द्रों में भर्ती होने वाले रोगी			कुल दिमागी बुखार के मरीजों में प्रतिशत	
	ग्रसित	मृतक	रोग मृत्यु दर %	ग्रसित	मृतक	रोग मृत्यु दर %	बी0आर0डी0 मेडिकल कालेज गोरखपुर में भर्ती होने वाले रोगी %	मस्तिष्क रोग उपचार केन्द्रों में भर्ती होने वाले रोगी %
3911	1765	466	26.40	2146	175	8.15	45.13	54.87
4724	2071	475	22.94	2653	180	6.78	43.84	56.16
3077	922	130	14.10	2155	118	5.48	29.96	70.04
2185	538	55	10.22	1647	71	4.31	24.62	75.38
1646	467	46	9.85	1179	37	3.14	28.37	71.63
442	78	12	15.38	364	2	0.55	17.65	82.35
179	54	1	1.85	125	1	0.80	30.17	69.83
232	53	5	9.43	179	0	0.00	22.84	77.16

बी0आर0डी0मेडिकल कालेज एवं ई0टी0सी0 में उपचारित ए0ई0एस0 रोगियों का % (2017–2021)

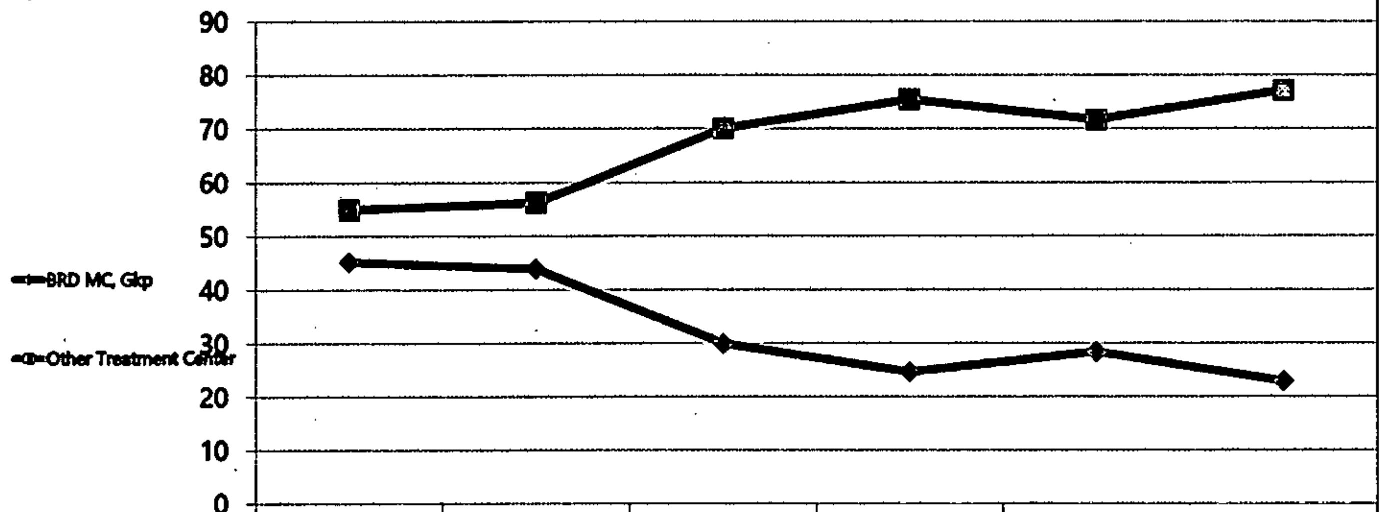

	2016	2017	2018	2019	2020	2021 (14-06-2020)
BRD MC, Gkp	45.13	43.84	29.96	24.62	28.37	22.84
Other Treatment Center	54.87	56.16	70.04	75.38	71.63	77.16

संचारी रोग नियंत्रण अभियान - माह फरवरी 2019

नोडल अधिकारी के उत्तरदायित्व

राज्य स्तर

1 यह सुनिश्चित करना कि समस्त जनपदों तक संचारी अभियान की तिथियाँ , अभियान में विभागीय गतिविधियों तथा माइक्रो प्लानिंग फोर्मट्स के विषय में पूरी जानकारी ससमय उपलब्ध करा दी गयी है
2 राज्य स्तर पर हुई विभिन्न बैठकों में प्रतिभाग कर सभी स्तरों पर इन बैठकों में लिए गए निर्णय के विषय में जानकारी उपलब्ध कराना
3 यह सुनिश्चित करना कि समस्त जनपदों में जनपदीय अधिकारी संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु आयोजित अन्तर्विभागीय बैठकों में प्रतिभाग कर रहे हैं तथा ब्लाक स्तर तक सभी सूचनाएँ उपलब्ध हो रही हैं
4 यह सुनिश्चित करना कि ग्राम स्तर से जनपद स्तर तक सभी माइक्रो प्लान्स तैयार कर तदानुसार विभागीय कार्यवाही तथा गतुविधियाँ संचालित की जा रही हैं
5 यह सुनिश्चित करना कि अभियान की प्रगति आख्या नियत प्रपत्रों पर जनपद मुख्यालय से राज्य स्तर पर प्रेषित की जा रही है.
6 जनपदों को निर्देशित करना

जनपद स्तर

1 यह सुनिश्चित करना कि समस्त ब्लॉक तथा ग्राम स्तरीय अधिकारियों तक संचारी अभियान की तिथियाँ , अभियान में विभागीय गतिविधियों तथा माइक्रो प्लानिंग फोर्मट्स के विषय में पूरी जानकारी ससमय उपलब्ध करा दी गयी है
2 जनपद स्तर पर हुई विभिन्न बैठकों में प्रतिभाग कर इन बैठकों में लिए गए निर्णय के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करवाना
3 यह सुनिश्चित करना कि ग्राम स्तर से जनपद स्तर तक सभी माइक्रो प्लान्स तैयार कर तदानुसार विभागीय कार्यवाही तथा गतुविधियाँ संचालित की जा रही हैं
4 यह सुनिश्चित करना कि अभियान की प्रगति आख्या नियत प्रपत्रों पर जनपद मुख्यालय से राज्य स्तर पर प्रेषित की जा रही है.
5 अभियान के दौरान मॉनिटरिंग में पाए गए तथ्यों तथा मॉनिटरिंग फीडबैक के आधार पर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु सम्बंधित को निर्देशित करना

ब्लॉक स्तर

1 यह सुनिश्चित करना कि समस्त ग्राम स्तरीय अधिकारियों तक संचारी अभियान की तिथियाँ , अभियान में विभागीय गतिविधियों तथा माइक्रो प्लानिंग फोर्मट्स के विषय में पूरी जानकारी ससमय उपलब्ध करा दी गयी है
2 जनपद स्तर पर हुई विभिन्न बैठकों में प्रतिभाग कर इन बैठकों में लिए गए निर्णय के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करवाना
3 यह सुनिश्चित करना कि ग्राम स्तर से ब्लॉक स्तर तक सभी माइक्रो प्लान्स तैयार कर तदानुसार विभागीय कार्यवाही तथा गतुविधियाँ संचालित की जा रही हैं
4 यह सुनिश्चित करना कि अभियान की प्रगति आख्या नियत प्रपत्रों पर ब्लॉक मुख्यालय से जनपद स्तर पर प्रेषित की जा रही है.
5 अभियान के दौरान मॉनिटरिंग में पाए गए तथ्यों तथा मॉनिटरिंग फीडबैक के आधार पर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु सम्बंधित को निर्देशित करना

DR VIKASNEDU AGARWAL JD-IDSP-UP

ACT DETAILS

e@gmail.com

)gmail.com

g22@yahoo.co.in

SENDU AGARWAL 9219793100 / 9268783100
GRWAL 9454455475

J TRIPATHI 8004747315 / 7905287944